भारत सरकार
रसायन एवं उर्वरक मंत्रालय
उर्वरक विभाग

राज्य सभा
अतारांकित प्रश्न संख्या 2574

जिसका उत्तर मंगलवार, 11 अगस्त, 2026/20 श्रावण, 1948 (शक) को दिया जाना है।

असम में नैनो उर्वरक का विनिर्माण

2574. श्री तेराश गोवाला:

क्या **रसायन और उर्वरक** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) क्या सरकार का उत्तर पूर्वी क्षेत्र की आवश्यताओं को पूरा करने के लिए असम में एक नैनो-उर्वरक विनिर्माण अथवा वितरण हब स्थापित करने का प्रस्ताव है;
(ख) उक्त प्रस्ताव की वर्तमान स्थिति क्या है;
(ग) इसमें कितनी अनुमानित धनराशि के निवेश की संभावना है; और
(घ) इससे किसानों को क्या-क्या संभावित लाभ होंगे तथा कितना उर्वरक उपलब्ध होने की संभावना है?

उत्तर

रसायन एवं उर्वरक मंत्रालय में राज्य मंत्री
(श्रीमती अनुप्रिया पटेल)

(क) से (घ): भारत सरकार असम राज्य सहित देशभर में नैनो उर्वरक उत्पादन संयंत्रों अथवा वितरण केंद्रों की स्थापना में प्रत्यक्ष रूप से शामिल नहीं है।

इसके अतिरिक्त, असम सरकार के कृषि निदेशालय ने अवगत कराया है कि राज्य में नैनो उर्वरक उत्पादन इकाई स्थापित करने का कोई प्रस्ताव नहीं है तथापि, कृषि निदेशालय द्वारा धरती माता के संरक्षण, उत्पाद की गुणवत्ता में सुधार तथा किसानों के लाभ में वृद्धि के उद्देश्य से नैनो उर्वरकों के उपयोग को प्रोत्साहित किया जा रहा है।

नैनो उर्वरक उत्पादक क्षेत्रीय नैनो उर्वरक मांग, कच्चे माल की उपलब्धता, तकनीकी-आर्थिक व्यवहार्यता, वित्तीय व्यवहार्यता, लॉजिस्टिक्स तथा अन्य स्थानीय लाभ जैसे कारकों पर समुचित विचार करने के उपरांत नैनो उर्वरक उत्पादन सुविधाओं की स्थापना का निर्णय लेते हैं। देशभर में उर्वरकों के कुशल उत्पादन एवं वितरण को सुनिश्चित करने के लिए ऐसी आवश्यकताओं का समय-समय पर आकलन किया जाता है।

इफको ने अवगत कराया है कि वह असम तथा अन्य पूर्वोत्तर राज्यों में 5,000 से अधिक चैनल भागीदारों के अपने व्यापक वितरण नेटवर्क के माध्यम से नैनो उर्वरकों का विपणन कर रही है जिसमें नेटवर्क में सहकारी समितियाँ, प्रधानमंत्री किसान समृद्धि केंद्र (पीएमकेएसके), असम राज्य कृषि विपणन बोर्ड की फ्रेंचाइजी, किसान उत्पादक संगठन (एफपीओ), स्वयं सहायता समूह (एसएचजी), इफको बाजार फ्रेंचाइजी तथा अन्य खुदरा बिक्री केंद्र शामिल हैं। इफको ने नैनो उर्वरकों तथा अन्य कृषि आदानों के छिड़काव के लिए दो प्राथमिक कृषि ऋण समितियों (पैक्स)/सहकारी समितियों को दो कृषि ड्रोन उपलब्ध कराए हैं, जिनके नाम निम्नानुसार हैं:

- दुआरबागोरी सहकारी समिति- नागांव जिला, असम
- नंबर 2 बोंगशर जीपीएसएस लिमिटेड-कामरूप (आर) जिला, असम

इस पहल का उद्देश्य प्रौद्योगिकी-सक्षम कृषि सेवाओं को बढ़ावा देना तथा किसानों के लाभ के लिए ड्रोन आधारित कृषि आदानों के छिड़काव/प्रयोग की सुविधा उपलब्ध कराना है।

मौजूदा वितरण नेटवर्क के माध्यम से नैनो उर्वरकों की उपलब्धता से संतुलित पोषक तत्त्व प्रबंधन को बढ़ावा मिलने, पोषक तत्त्व उपयोग दक्षता में सुधार होने, पोषक तत्त्वों की हानि में कमी आने तथा उर्वरकों के परिवहन एवं रख-रखाव में सुगमता होने की अपेक्षा है और इससे पारंपरिक उर्वरकों के उपयोग को पूरकता मिलेगी और इस प्रकार पूर्वोत्तर क्षेत्र के किसानों को लाभ होगा।

इसके अतिरिक्त, वित्तीय वर्ष 2025-26 तथा चल रहे खरीफ मौसम 2026 (01.04.2026 से 05.08.2026 तक) के दौरान असम राज्य सहित पूर्वोत्तर क्षेत्र में यूरिया, डीएपी, एमओपी तथा एनपीकेएस उर्वरकों की उपलब्धता का विवरण **अनुलग्नक** में दिया गया है।

*****

अनुलग्नक

यह अनुलग्नक 11.08.2026 के राज्य सभा अतारांकित प्रश्न सं.2574 के उत्तर के भाग (क) से (घ) तक के लिए है।

वित्त वर्ष 2025-26 के दौरान पूर्वोत्तर क्षेत्र में उर्वरकों की उपलब्धता					
					आँकड़े एलएमटी में
क्र.सं.	**राज्य**	**वित्तीय वर्ष 2025-26**			
		यूरिया	**डीएपी**	**एमओपी**	**एनपीकेएस**
1	अरुणाचल प्रदेश	1,640	420	510	90
2	असम	5,12,600	94,930	78,190	54,530
3	मणिपुर	23,930	5,190	1,860	2,270
4	मेघालय	3,350	0	0	0
5	मिजोरम	10,600	240	150	0
6	नगालैंड	1,660	100	20	0
7	सिक्किम	0	0	0	0
8	त्रिपुरा	24,060	4,660	4,630	4,550
	कुल	**5,77,840**	**1,05,540**	**85,360**	**61,440**

खरीफ 2026 (01.04.26 से 05.08.26 तक) के दौरान पूर्वोत्तर क्षेत्र में उर्वरकों की उपलब्धता					
					आँकड़े एलएमटी में
क्र.सं.	**राज्य**	**खरीफ 2026 के दौरान (01.04.26 से 05.08.26 तक)**			
		यूरिया	**डीएपी**	**एमओपी**	**एनपीकेएस**
1	अरुणाचल प्रदेश	1,610	150	320	0
2	असम	2,23,490	43,340	42,600	28,470
3	मणिपुर	18,490	1,940	660	1,630
4	मेघालय	2,380	620	0	0
5	मिजोरम	1,340	40	10	0
6	नगालैंड	910	80	0	0
7	सिक्किम	0	0	0	0
8	त्रिपुरा	13,140	2,070	2,370	2,950
	कुल	**2,61,360**	**48,240**	**45,960**	**33,050**